

### डाक संचारों

\*१२१६. श्री भक्त बर्षान : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५५-५६ के प्राय-व्ययक प्राक्कलन में नये डाक-घरों, तारघरों और सार्वजनिक टेलीफोन के खोलने के लिये अलग-अलग कितनी धनराशि निर्धारित की गई है ; और

(ख) प्रत्येक सर्किल के लिये अलग-अलग कितना धन स्वीकृत किया गया है अथवा किये जाने का विचार है ?

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) और (ख) जानकारी प्राप्त की जा रही है और उचित समय पर यह सभा-घटल पर रखी जायेगी ।

श्री भक्त बर्षान : क्या यह आश्चर्य की बात नहीं है कि जबकि मैं ने यह प्रश्न पूछा है कि बजट में डाक तथा तार घर और टेलीफोन आदि के लिये कितना रुपया रखा गया है, तब कहा जा रहा है कि जानकारी प्राप्त की जायेगी ? क्या हैडक्वार्टर्स में ये आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ?

श्री राज बहादुर : किंचित मात्र भी आश्चर्य की बात नहीं है और उस का कारण यह है कि जो एक लाख रुपये से ऊपर के काम होते हैं, उन का तो बजट में अलग अलग ब्यौरा होता है और एक लाख रुपये से कम खर्चों के कामों के लिये सामूहिक रूप से कोई निधि निश्चित की जाती है और उस में से अलग अलग पोस्टल सर्कलों को रकम दी जाती है । जो रकम सामूहिक रूप से किसी सर्कल को दी जाती है, उस से न सिर्फ नए डाक-घर खोलने की व्यवस्था होती है, बल्कि इस सम्बन्ध में रेल्वे एडमिनिस्ट्रेशन और कैनल डिपार्टमेंट इत्यादि से भी मालुम करना आवश्यक होता है कि कितने तार घर खोले जायें । इसलिये विभागीय तार घरों में कितना व्यय हुआ है यह सूचना

इकट्ठी करने में समय लगेगा । यही बात आती है कि पब्लिक काल आफिस और पोस्ट आफिस के बारे में भी और इसलिये मैं आशा करता हूँ कि माननीय सदस्य का कोई आश्चर्य नहीं होगा ।

श्री भक्त बर्षान : क्या मैं जान सकता हूँ कि प्रथम पंचवर्षीय योजना की समाप्ति तक कितने डाक तथा तार घर, कितने टेलीफोन एक्सचेंज और कितने पी० सी० भोज० खोलने का टारगेट रखा गया था और क्या उस के पूरा होने की आशा है ?

श्री राज बहादुर : इस के लिये नोटिस की आवश्यकता होगी ।

श्री एम० एल० द्विवेदी : मैं जानना चाहता हूँ कि कितने जिले के हैड-क्वार्टर बाकी हैं, यहां टेलीफोन नहीं खोला गया है ? क्या सरकार का यह विचार है कि तहसील हैडक्वार्टर में भी टेलीफोन खोले जायें, ? यदि हां, तो कब तक ?

श्री राज बहादुर : यह प्रश्न इस से तो नहीं उठता है । मैं पहले सूचना दे चुका हूँ । अगर माननीय सदस्य चाहेंगे, तो फिर दे सकता हूँ ।

Shri Bhagwat Jha Azad : The other day the hon. Deputy Minister very proudly asserted that they started from the district headquarters and that they have not come to the thana headquarters for opening a public call office. May I know whether there are still some subdivisional headquarters which have not been linked by telephone ?

Shri Raj Bahadur : I am grateful to the hon. Member for the power which he has been seen behind my assertion, but I may assure him that the programme has been declared from time to time on the floor of the House. We are completing it by and by.

### Train Timings

\*1221. Shri Matthen : Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Poona Mail (Southern Railway) running between Poona and Bangalore stops at Hubli for more than 3½ hours; and